



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 231]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 30, 2009/आषाढ़ 9, 1931

No. 231]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 30, 2009/ASADHA 9, 1931

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2009

निधन-अधिसूचना

सं. 3/5/2009-प्रब्लिक.—भारत की राष्ट्रपति को श्री शिव चरण माथुर, असम के राज्यपाल के 25 जून, 2009 को नई दिल्ली में हुए अत्यन्त दुःखद निधन के बारे में जान कर बहुत दुख हुआ है। श्री शिव चरण माथुर का निधन हो जाने से देश ने एक सुविख्यात स्वतंत्रता-सेनानी और राजनैतिक नेता खो दिया है।

2. 14 फरवरी, 1926 को मध्य प्रदेश में माधी-कानूनगो में जन्मे श्री शिव चरण माथुर ने श्रम-कल्याण में डिप्लोमा सहित स्नातक की उपाधि हासिल की। आपने 1942 में छोड़े गए भारत-छोड़ो आन्दोलन में हिस्सा लिया। आप 1945 से 1947 तक राजस्थान स्टूडेंट्स कांग्रेस के महासचिव और 1956-1957 में भीलवाड़ा, म्युनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष रहे। आप सात बार राजस्थान राज्य विधान सभा के सदस्य चुने गए। आप 1964 से 1967 तक तीसरी लोक सभा के सदस्य रहे। आपने 1967 और 1972 के बीच राजस्थान में शिक्षा, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, जन-सम्पर्क मंत्री के रूप में सेवा की। आपने 1973 और 1977 के बीच राजस्थान में खाद्य और नागरिक आपूर्ति, कृषि, पशु-पालन, डेयरी और योजना मंत्री के रूप में भी सेवा की। आपने 1984-1985 और 1988-1989 के दौरान, दो बार राजस्थान के मुख्य मंत्री के रूप में सेवा की। आप 1991 में दसवीं लोक सभा के भी सदस्य चुने गए। श्री माथुर ने 4 जुलाई, 2008 को असम के राज्यपाल के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था।

3. आप एक लब्धप्रतिष्ठ नेता थे और जन-जीवन तथा व्यापक रूप से समाज के कल्याण के प्रति अपनी गहन प्रतिबद्धता के फलस्वरूप जनता में अत्यन्त लोकप्रिय और आदरणीय व्यक्ति रहे।

मधुकर गुप्ता, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 2009

OBITUARY

No. 3/5/2009-Public.—The President of India has learnt, with deep regret, about the sad demise of Shri Shiv Charan Mathur, Governor of Assam, on 25th June, 2009 at New Delhi. The death of Shri Shiv Charan Mathur has deprived the country of a distinguished freedom fighter and political leader.

2. Born at Madhi-Qanungo in Madhya Pradesh on 14th February, 1926, Shri Shiv Charan Mathur obtained graduation degree with diploma in Labour Welfare. He participated in the Quit India Movement in 1942. He was General Secretary of Rajasthan Students Congress from 1945-47 and Chairman, Municipal Board, Bhilwara in 1956-57. He was elected as member of Rajasthan State Legislative Assembly seven times. He was a member of the third Lok Sabha from 1964 to 1967. He served as Minister of Education, Power, PWD, Public Relations in Rajasthan between 1967 and 1972. He also served as Minister of Food and Civil Supplies, Agriculture, Animal Husbandry, Dairy and Planning in Rajasthan between 1973 and 1977. He served as Chief Minister of Rajasthan twice during 1984-85 and 1988-89. He was also elected to the tenth Lok Sabha in 1991. Shri Mathur assumed charge as Governor of Assam on 4th July, 2008.

3. Shri Mathur was an eminent leader and a respected public figure with deep commitment to public life and welfare of society at large.

MADHUKAR GUPTA, Home Secy.